केजरीवाल मेरे पत्र का जवाब दें और दिल्ली की जनता को बताएं की उन्होंने प्रदूषण पर विज्ञापनों में पैसा फूंकने के अलावा प्रदूषण पर क्या-क्या कदम उठाए हैं?
—— विजय गोयल, सांसद

नई शिक्षा नीति 2021 में संपूर्ण भारत में होगी लागू : निशंक

आईआईटी (बीएचयू) में आठवां दीक्षांत समारोह संपन्न, विभोर बंसल को सर्वाधिक 11 व एलेश्वरपु श्रावणि को छह पदक मिले

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

नई शिक्षा नीति पर केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री रमेश पोखिरयाल 'निशंक' ने कहा कि यह नई शिक्षा नीति जल्द शिक्षण संस्थानों में लागू होगी। अभी वर्ष 2020 तक मसौदा बनकर तैयार होगा और इसके बाद केंद्रीय कैबिनेट की हरी झंडी के बाद 2021 से पूरे देश में नई शिक्षा नीति लागू होगी। उन्होंने कहा कि नई शिक्षा नीति रोजगार, उद्यमिता व कौशल से युक्त परिणाम देने वाली अंतरराष्ट्रीय पटल को स्वीकार्य हो ऐसी नीति होगी।

स्वतंत्रता भवन सभागार में आईआईटी बीएचयू के आठवें दीक्षांत समारोह में बतौर मुख्य अतिथि मानव संसाधन एवं विकास मंत्री डा. रमेश पोखिरयाल 'निशंक' ने कहा कि टेक्नोलॉजी में आगे बढ़ने के लिए इनोवेशन बहुत जरूरी है। 21वीं सदी में तकनीकी के साथ इनोवेशन को लेकर चलने से ही देश प्रगति के पथ पर अग्रसर होगा। 23 मिनट के अपने संबोधन में उन्होंने बीएचयू

1282 मेधावी विद्यार्थियों को दी गई उपाधि

और महामना से लेकर मोदी सरकार के मेक इन इंडिया और मुद्रा योजना तक के बारे में चर्चा की। कहा कि मालवीयजी ने अपनी तपोभूमि बीएचयू को बनाने में कठिन परिश्रम के साथ विषम व विपरीत परिस्थिति का सामना किया। ऐसे गौरवशाली और भारतीय संस्कृति के पुरोधा शिक्षण संस्थान बीएचयू में पढ़ने वाला प्रत्येक छात्र-छात्रा अपने आप में एक योद्धा है। उसके लिए यह गौरव का क्षण है कि वह बीएचयू जैसी प्रतिष्ठित संस्थान से पठनपाठन करके निकला है। कहा कि बीएचयू के लिए गौरवपूर्ण क्षण होगा कि जब वह 2024 तक विश्व के शीर्ष शिक्षण संस्थान में होगा। आईआईटी के छात्र में भारत का भविष्य नजर आता है। कहा कि भारत की पांच ट्रिलियन इकोनॉमी में बीएचयू आईआईटी समेत देश के सभी आईआईटी की अहम भूमिका होगी। सिंगल यूज पालीथिन व प्लास्टिक के खिलाफ चलाये जा रहे एमएचआरडी मिनिस्ट्री के उन्नत भारत अभियान के तहत पांच गांव को गोद लेने की अपील की। कहा कि मेक इन इंडिया के तहत देश सशक्त हुआ है। उन्होंने देश के प्रख्यात वैज्ञानिक शांति स्वरूप भटनागर और उनके द्वारा लिखी बीएचयू के कुलगीत को नमन किया। पुरस्कार वितरण का संचालन संस्थान के कुलसचिव डा. एसपी माथुर और अनुसंधान एवं विकास के अधिष्ठाता प्रो. राजीव प्रकाश ने किया। दीक्षांत समारोह के आरंभ की घोषणा संस्थान के निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार जैन ने की और संस्थान की उपलब्धि की आख्या पढ़ी।

केंद्रीय मंत्री ने आईआईटी में तीन परियोजनाओं का किया शिलान्यास : समारोह के बाद माननीय केंद्रीय मंत्री रमेश पोखिरयाल 'निशंक' ने जिमखाना मैदान में संस्थान की तीन महत्वपूर्ण परियोजनाओं धनराजगिरि छात्रावास-द्वितीय, इनडोर खेल सुविधाओं के लिए छात्र क्रिया-कलाप केंद्र और संकाय सदस्यों और अधिकारियों को आवासीय सुविधा देने के लिए फैकल्टी अपार्टमेंट का शिलान्यास किया।

सत्य-अहिंसा के मार्ग पर चल कर करना है देश का विकास

वाराणसी। केंद्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. रमेश पोखरियाल 'निशंक' ने कहा कि हमें महात्मा गांधी के आदर्श, विचारों को आत्मसात कर सत्य व अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए देश का विकास करना है। एक भारत श्रेष्ठ भारत, ध्रुव परियोजना, एक बच्चा एक पौधा कार्यक्रम और नो प्लास्टिक यूज जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रम मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा चलाए जा रहे हैं। श्री निशंक शुक्रवार को बीएचयू स्थित केंद्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने विद्यार्थियों को परीक्षा की तैयारी संबंधी गुर बताए। विद्यालय में निशंक ने पौधरोपण किया। इस मौके पर केंद्रीय विद्यालय संगठन वाराणसी संभाग के उपायुक्त डी. मणिवण्णन गौतम, प्राचार्य दिवाकर सिंह एवं केंद्रीय विद्यालय संगठन वाराणसी संभाग के विभिन्न विद्यालयों के प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थियों ने निशंक का स्वागत किया। इस अवसर पर कैंट विधायक सौरभ श्रीवास्तव, भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष महेश चंद्र श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

निशंक ने किया किताब का विमोचन

वाराणसी। काशी हिंदू विश्वविद्याल स्थित केन्द्रीय विद्यालय के कार्यक्रम में शुक्रवार को केन्द्रीय मानव संसाधन विकास मंत्री डा. रमेश पोखिरयाल 'निशंक' ने डीएवीपीजी कॉलेज के अर्थशास्त्र विभाग के एसोशिएट प्रोफेसर डा. अनूप कुमार मिश्र की पुस्तक मोदी, डायस्पोरा एंड डेवलपमेंट का विमोचन किया। इस अवसर पर निशंक ने प्रधानमंत्री मोदी के बारे में पुस्तक लिखने पर डा. अनूप मिश्र को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर कैंट विधानसभा के विधायक, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य समेत अनेक शिक्षक, शिक्षिकाएं और छात्र उपस्थित थे।

गोल्ड मेडल पाकर गदगद हुए भावी इंजीनियर्स

वाराणसी। केंद्रीय मंत्री, मानव संसाधन एवं विकास मंत्रालय, रमेश पोखिरयाल 'निशंक' और संस्थान के निदेशक और संचालक मंडल के अध्यक्ष प्रो. प्रमोद कुमार जैन ने मेधावियों को उपाधि, पदक और पुरस्कार देकर सम्मानित किया। इलेक्ट्रॉनिक अभियांत्रिकी के छात्र विभोर बंसल ने सर्वाधिक 10 स्वर्ण पदक, एक रजत और तीन पुरस्कार पाकर अपनी मेधा का परचम लहराया। वहीं रासायनिक अभियांत्रिकी की छात्रा एलेश्वरपु श्रावणि को छह स्वर्ण पदक और दो पुरस्कार मिला। संगणक विज्ञान एवं अभियांत्रिकी विभाग की आयुषी जैन व यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग के मलय सागर को चार स्वर्ण और एक पुरस्कार, विद्युत अभियांत्रिकी विभाग के अक्षांश चंद्रवंशी को चार स्वर्ण और दो पुरस्कार, जानपद अभियांत्रिकी विभाग के जितेंद्र को दो स्वर्ण और दो पुरस्कार, खनन अभियांत्रिकी विभाग के धनुषमंथ येनुगु को तीन स्वर्ण, फार्मास्युटकल अभियांत्रिकी विभाग के देवराज गुर्जर को दो स्वर्ण और एक पुरस्कार मिला। सिविल विभाग के सक्षम जैन और यांत्रिक अभियांत्रिक विभाग के सागर श्रीवास्तव और गुलशन वर्मा को दो-दो स्वर्ण पदक मिले। समारोह में संस्थान के विभिन्न पाठ्यक्रमों के 1282 मेधावी छात्रों को उपाधि प्रदान की गई, जिसमें 900 विद्यार्थियों ऐसे हैं जिनका कैंपस सेलेक्शन हो चुका है। इसमें 754 बीटेक, 197 आईडीडी/आईएमडी, 252 एमटेक/ एमफार्मा और 79 शोध छात्र शामिल रहे। दीक्षांत समारोह में विविध पाठ्यक्रमों में सर्वोच्च अंक प्राप्त करने वाले कुल 54 स्नातकों को विभिन्न श्रेणियों में 81 पदक 17 पुरस्कार प्रदान किये गए।

क्या कहते हैं मेधावी

पहले जॉब एक्सप्लोर करेंगे : श्रुति

संस्थान में प्रेसीडेंटस स्वर्ण पदक देने की परंपरा वर्ष 2018 में आरंभ की गई थी। इस वर्ष बीटेक, कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग की छात्रा श्रुति राजलक्ष्मी यह पदक को पाने वाली संस्थान की पहली छात्रा बनीं। पटना बिहार में 23 जून 1997 को जन्मी श्रुति राजलक्ष्मी की इच्छा पहले अपने नौकरी को एक्सप्लोर करने की है। इसके बाद लापता बच्चों के चेहरे की पहचान के लिए एकल गहरे तंत्रिका नेटवर्क और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के लिए काम करना है।

भविष्य में इसरो व डीआरडीओ में काम करना लक्ष्य : साई पवन

धातुकीय अभियांत्रिकी विभाग के साई पवन एसएन को सभी बीटेक स्नातकों के बीच उत्कृष्ट ऑल राउंड प्रदर्शन और उत्कृष्ट संगठनात्मक क्षमताओं एवं नेतृत्व गुणों के लिए निदेशक स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया। हैदराबाद, तेलंगाना में जन्मे साई पवन एसएन की नौकरी टाटा स्टील में लगी है। पहले दो वर्ष नौकरी पर फोकस करने के बाद साई पवन एसएन की इच्छा डीआरडीओ और इसरो में जाकर हल्के मेटिरियल साइंस पर काम करके भारत के लिए बतौर वैानिक काम करने की है। यह हल्के मेटल मिसाइल और डिफेंस व स्पेस में काम में आते हैं।

निजीकरण के खिलाफ आंदोलन को रहना होगा तैयार

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

वाराणसी।

नार्दर्न रेलवे मेन्स यूनियन (वाराणसी) के तत्वावधान में शुक्रवार को 'संचेतना संगोष्ठी' का आयोजन एनई रेलवे के सामुदायिक केंद्र में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि कामरेड शिवगोपाल मिश्रा तथा जोनल मंत्री प्रदीप शर्मा रहे। इस मौके पर श्री मिश्रा ने निजीकरण के खिलाफ जगं का ऐलान करते हुए कहा कि रेल कर्मचारियों को आर पार की लड़ाई के लिए तैयार रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि चूंकि लाड़ाई एक मजबूत सरकार से है, इस लिहाज से हमें मजबूत बनना होगा। इस लिए यूनियन के चुनाव को हमें गंभीरता से लेना होगा।

उन्होंने कहा कि मौजूदा सरकार कर्मचारी विरोधी है, वह हार हाल में भारतीय रेल को निजीकरण और उत्पादन इकाईयों का निजीकरण चाहती है। भारतीय रेल का वजूद बचाने केलिए बड़े आंदोलन के लिए तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि सरकार के 100 दिन के कार्ययोजना से साफ हो गया है कि उसकी नीयत साफ नहीं है। अब हमे तय करना है कि सरकार के मंसूबे को पूरा होने दे या फिर संघर्ष का रास्ता अपनाते हुए अपने अस्तित्व को बचाने की लड़ाई लड़े। उन्होंने कहा कि हम सरकार से वार्ता कर रहे रहे हैं लेकिन जब हमें लगेगा गा कि बातचीत से बात कोई रास्ता नहीं निकलने वाला है तो चक्का जाक करना ही होगा।

संचालन मंडल अध्यक्ष कामरेड राजेश सिंह ने किया। इस मौके पर सुनील सिंह, डीके सिंह, राजकुमार, राजेश्वर शुक्ला, डीपी सिंह, अफिलेश पटेल, एसके सिंह आदि ने संबोधित किया।

गंगा स्नान के बाद किया हरि का ध्यान

वाराणसी (एसएनबी)। प्रबोधिनी एकादशी पर श्रद्धालुओं ने विधिविधान से धार्मिक मान्यताएं निभायीं। भोर में गंगास्नान करने के लिए घाटों पर स्नानार्थियों की भारी भीड़ रही। गंगा में डुबकी लगाने के बाद भगवान हरि का ध्यान लगाया और पूजन-अर्चन के बाद मंदिरों में मत्था टेका। विष्णु के दर्शनपूजन का क्रम दिन भर चला। गंगा तट से लेकर घरों की चौखट तक तुलसी पूजन व हरि पूजन हुआ। तुलसी व हरि पूजन के साथ मांगलिक कार्यों का श्रीगणेश हुआ। सुबह हरि व तुलसी पूजन के बाद दोपहर में श्रद्धालुओं ने प्रसाद स्वरूप गन्ना का सेवन किया।

प्रबोधिनी एकादशी पर गंगा तट से घरों की चौखट तक तुलसी विवाह की बिखरी रंगत

खूब हुई गन्ना की खरीदारी : प्रबोधिनी एकादशी पर बाजार में जगह-जगह गन्ने की दुकानें लगी थीं। पूजन के लिए लोगों ने गन्ना की खरीदारी की। विशेश्वरगंज, लहुराबीर, दशाश्वमेध, चंदुआ सट्टी समेत जगह-जगह लगी गन्ना की दुकानों के चलते जाम की स्थिति बनी रही।

बिंदुमाधव मंदिर में हुआ श्रृंगार : पंचगंगा घाट स्थित बिंदुमाधव मंदिर में भगवान का भव्य श्रृंगार किया गया। भोर में चार बजे देव विग्रह की काकड़ा आरती उतारी गयी। भगवान को मक्खन एवं श्रीखंड का लेपन कर आरती उतारी गयी। महाश्रृंगार कर भोग अर्पित किया गया। षोडशोपचार पूजन-अर्चन हुआ। दुर्गा घाट स्थित अति प्राचीन विट्ठल मंदिर में आराध्य का श्रृंगार पूजन हुआ। गौरीकेदारेाार मंदिर में बद्रीनारायण भगवान का दर्शनपूजन करने को भक्तों का तांता लगा रहा।

पंचगंगा घाट पर सजी विवाह बारात, सभी रस्में निभाई गयीं : श्रीमठ द्वारा तुलसी विवाह अतीव महिमा एवं गरिमा के साथ पंचगंगा में बने पीपों के भव्य मंच पर

हुआ। गोधूलिबेला में परमप्रभु की भव्य बारात गणेशघाट से पंच गंगा घाट पर आई। वरयात्रा, द्वारपूजा तथा सम्पूर्ण वैवाहिक क्रम कल्याणकामियों को प्रेरणानिष्ठा-आनंद की परमधन्यताबोध कराई। महासंकल्प लिया कि हमें भी तुलसी के समान ही केवल परमप्रभु के लिए ही अर्पित होना है। सम्पूर्ण सृष्टि की समस्त का विकल्परहित यही समाधान है। विवाह का लौकिक एवं पारलौकिक का अलौकिक संगम उपस्थित अपार भक्तों ने हृदयंगम किया। विवाहोपरांत सभी भक्तजनों में प्रसाद वितरित हुआ।

गंगा स्नान कर किया मार्कण्डेय महादेव का जलाभिषेक

चौबेपुर/वाराणसी। प्रबोधिनी एकादशी पर शुक्रवार की सुबह इलाके के कैथी स्थित मार्कण्डेय महादेव घाट व गौरा उपरवार स्थित मौनी बाबा घाट, गौरीशंकर महादेव घाट ढाका, आदि गंगा तटों पर श्रद्धालु गंगा स्नान कर गन्ना ले जाकर पूजन किया। लोगों ने गरीबों को दानकर पुण्य के भागीदार बनें। वहीं पूर्वांचल के विभिन्न जनपदों से आए हजारों श्रद्धालुओं ने गंगा-गोमती के पावन संगम पर स्नान कर कैथी स्थित मार्कण्डेय महादेव मंदिर में जलाभिषेक किया। यहां लोगों ने धार्मिक अनुष्ठानों में भी भाग लिया। इस अवसर पर गांव में जगह-जगह महिलाएं मंडप बनाकर तुलसी विवाह रचाती रही। गांव में विवाह के मंगल गीत भी गाए जा रहे थे।

जक्खिनी संवाददाता के अनुसार विभिन्न गांवों में लोगों ने व्रत रहकर प्रबोधिनी एकादशी मनाया। वहीं आज से सभी मंगल कार्य प्रारंभ हो गये। इस मौके पर महिलाओं और किशोरियों ने तुलसी के चौरे को आकर्षक रुप से सजाया। महिलाओं ने विवाह गीत व मंगल गीत गाये। इस दौरान पारंपरिक विधि विधान से तुलसी विवाह किया।

नमामि गंगे ने वितरित किया तुलसी का पौधा

वाराणसी। देवोत्थान एकादशी पर शुक्रवार को नमामि गंगे के सदस्यों ने पंचगंगा घाट पर गंगा स्नान करने आए श्रद्धालुओं को तुलसी का पौधा वितरित किया। पंचगंगा घाट स्थित मंदिर में श्रीविंदु माधव स्वरूप की आरती कर आराधना की गयी। तुलसी विवाह कर रहीं माताओं-बहनों में पर्यावरण संरक्षण के लिए कपड़े के झोले बांटे गए। सदस्यों ने गंगा तट से गंदगी साफ की व लोगों से गंदगी न करने की अपील की। संयोजक राजेश शुक्ला ने बताया कि संस्था ने सिंगल यूज प्लास्टिक मुक्त काशी के बाबत पहल शुरू की है। लोग अविरल-निर्मल गंगा का लोग संकल्प ले रहे हैं। इस अवसर पर पर काशी प्रांत संयोजक राजेश शुक्ला, महानगर सहसंयोजक शिवम अग्रहरी, सीमा चौधरी, सारिका गुप्ता, रजत अग्रवाल, रश्मि साहू, सागर अग्रवाल, हेमा गुप्ता आदि मौजूद थे।

देव दीपावली से पहले साफ करें सभी घाट

वाराणसी। महिषासुर घाट पर चार दिवसीय गंगा महोत्सव व 12 नवम्बर को देव दीपावली की तैयारी का प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों ने का हाल देखा। शुक्रवार को घाट पर सांस्कृतिक निशा, घाटों की सफाई व अन्य व्यवस्था का मोटरबोट से जायजा लिया।

कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने घाटों की सफाई, प्रकाश व्यवस्था को लेकर अफसरों को सचेत किया। उन्होंने कहा कि देव दीपावली से पहले हर हाल में सभी घाट साफ हो जाना चाहिए। घाटों पर रोशनी के लिए निर्बाध विद्युत आपूर्ति करने तथा घाटों की तरफ आने वाले रास्तों पर भी जरूरी इंतजाम करने के निर्देश दिए। इस दौरान एडीजी ब्रजभूषण, आईजी विजय सिंह मीणा, जिलाधिकारी कौशल राज शर्मा, एसएसपी प्रभाकर चौधरी, नगर आयुक्त गौरांग राठी, संयुक्त निदेशक पर्यटन अविनाश चंद्र मिश्र उपस्थित रहे।

नगर आयुक्त ने किया निरीक्षण

वाराणसी। नगर आयुक्त गौरांग राठी व अपर नगर आयुक्त के साथ जोनल अधिकारी आदमपुर एवं अन्य अधिकारियों के साथ आदमपुर क्षेत्र के भदऊं चुंगी,आदि केशव घाट, मंदिर मार्ग का निरीक्षण के दौरान गुमटी दुकानदारों को डस्टिबन रखकर कूड़ा टोकरी में रखे जाने हेतु दुकानदारों को स्वच्छता के प्रति सचेत किया।

जन्म शताब्दी पर गोष्ठी 11 को

वाराणसी। प्रखर समाजवादी और स्वतन्त्रता सेनानी प्रभुनारायण सिंह की जन्म शताब्दी के अवसर पर 11 नवम्बर को काशी विद्यापीठ के महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ के गांधी अध्ययन पीठ के सभागार में समारोह का आयोजन होगा। आयोजन समिति के सदस्य और समाजवादी चिंतक विजय नारायण ने बताया कि 'वर्तमान संकट और महात्मा गांधी' विषयक संगोष्ठी होगी जिसमें स्वतन्त्रता आन्दोलन से उपजी राष्ट्रीय चेतना से जुड़े राजनीतिक सामाजिक व आर्थिक मुद्दों पर विमर्श के साथ ही उसकी अवरुद्ध धारा को आगे बढ़ाने के उपायों पर भी गौर किया जायेगा।

बीएचयू में रेजिडेंटों की हड़ताल जारी

वाराणसी (एसएनबी)। बीएचयू के सर सुंदरलाल अस्पताल परिसर में मार्डन मेडिसिन व आयुर्वेद और ट्रामा सेंटर परिसर के अस्थि रोग, प्लास्टिक सर्जरी व डेंटल हास्पिटल में शुक्रवार को पांचवें दिन भी रेजिडेंट्स की हड़ताल जारी रही। रेजिडेंट्स से मारपीट मामले में पुलिस ने तीन आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया था। बीएचयू के दो छात्रों को विवि प्रशासन ने तत्काल निलंबित भी कर दिया।

अस्पताल प्रशासन व बीएचयू प्रशासन द्वारा रेजिडेंट्स के साथ बैठक के बाद लिखित आश्वासन के बावजूद इसके रेजिडेंट्स ने गुरुवार देर रात रुइया में बैठक कर एम्स जैसी सुरक्षा मिलने तक हड़ताल जारी रखने का निर्णय लिया। हालांकि प्रशासनिक कार्रवाई से रेजिडेंट्स संतुष्ट दिखे शुक्रवार से इमरजेंसी, आसीयू, सीसीयू, ट्रामा सर्जरी व लेबर रूम की सेवा बाधित करने के निर्णय को वापस लिया। मगर पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था न मिलने तक हड़ताल पर ही रहने का फैसला किया। हड़ताल से बहुत कम पर्चियां काटी गईं। कई ओपीडी ऐसे भी रहे जिनमें भीड़ के बावजूद 20-30 मरीज ही देखे गए और बाकी को लौटा दिया गया। अस्पताल प्रशासन ने सभी सीनियर डाक्टर्स की छुट्टी को रद करने का फैसला लिया है। शुक्रवार को जारी इस आदेश के बाद अब सीनियर डाक्टर्स बिना किसी ठोस वजह के छुट्टी पर नहीं जा सकेंगे।

बीएचयू के चिकित्सकों को मिले एम्स जैसी सुरक्षाः डा. संजय राय

वाराणसी। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन के प्रदेश उपाध्यक्ष डा. संजय राय ने बीएचयू रेजिडेंट डॉक्टर्स पर ड्यूटी के दौरान हॉस्पिटल परिसर में शरारती तत्वों द्वारा हमला कर उन्हें घायल करने के घटना का निंदा किया है। डा. राय ने कहा कि असुरक्षित और भय के माहौल में मरीजों का अच्छा इलाज असम्भव है। वाराणसी सहित पूरे पूर्वांचल की आम जनता और मरीजों के हित में सर सुंदरलाल हॉस्पिटल व ट्रामा सेन्टर में रेजिडेंट डॉक्टर्स और सभी चिकित्सकों को काम करने के दौरान सुरक्षित माहौल और मुक्कमल सुरक्षा देना बीएचयू प्रशासन की जिम्मेदारी है। रेजिडेंट डॉक्टर्स की सभी मांगे जायज है, इसलिए उनके इस आन्दोलन को पूर्ण समर्थन देते हुए कुलपति राकेश भटनागर से आग्रह करते है कि बीएचयू प्रशासन रेजिडेंट डॉक्टर्स की सभी मांगो को पूरा करते हुए, एम्स की तर्ज पर पूरे हॉस्पिटल परिसर में चिकित्सकों की कड़ी सुरक्षा के तत्काल इंतेजाम करने की व्यवस्था करे।